

# समाचार वाणी

## खबर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 19 October 2026

एक सपना शिक्षा का, हजारों उज्ज्वल भविष्य का ; विद्याताई गवारे की सफलता गाथा

Sanket Morankar

Published on 18 Oct 2026



शिक्षा के प्रकाश से विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा

“तमसो मा ज्योतिर्गमय” अर्थात अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का संदेश विद्याताई गवारे के कार्यों में दिखाई देता है। शिक्षा के प्रति समर्पण, विद्यार्थियों के भविष्य की चिंता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना के साथ वे शैक्षणिक क्षेत्र में अपना योगदान दे रही हैं। वे ‘श्री समर्थ शिक्षण प्रसारक मंडल’ और श्री समर्थ प्रतिष्ठान की सचिव हैं। इसके साथ ही वे श्री समर्थ ग्रामीण बिगर शेती सहकारी पतसंस्था की संचालक के रूप में भी कार्यरत हैं।

उनके कार्य का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के माध्यम से प्रगति के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराना है। उनके लिए शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और बेहतर भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

संस्कारों से मिली प्रेरणा, शिक्षा से मजबूत हुआ व्यक्तित्व

पुणे के निकट संतभूमि आलंदी में अलका और एकनाथ पवळे के संस्कारों के बीच विद्याताई का बचपन बीता। प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने एम.कॉम., बी.एड. और डी.टी.एल. की उपाधियाँ प्राप्त कीं। संस्थागत जिम्मेदारियों को संभालते हुए भी उन्होंने अपनी शिक्षा के प्रति रुचि बनाए रखी है और वर्तमान में पीएच.डी. की पढ़ाई कर रही हैं।

उनके विचारों और कार्यशैली को महात्मा ज्योतिराव फुले, क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले, कर्मवीर भाऊराव पाटील और विशेष रूप से राजमाता जिजाऊ के विचारों से प्रेरणा मिलती है। शिक्षा, समाज सुधार और संस्कारों से जुड़े इन महान व्यक्तित्वों के विचार उनके कार्य के प्रति दृष्टिकोण को दिशा देते हैं।

वर्ष 2010 में स्थापना, आज हजारों विद्यार्थियों तक शिक्षा की पहुँच

पति शिवाजीराव गवारे और परिवार के सहयोग से वर्ष 2010 में ‘श्री समर्थ शिक्षण प्रसारक मंडल’ की स्थापना हुई। इस पहल के

माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। आज संस्था की विभिन्न शाखाओं में हजारों विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक शिक्षा प्रदान करने वाली संस्था अब स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की दिशा में भी आगे बढ़ रही है। यह विस्तार विद्यार्थियों को अलग-अलग शैक्षणिक स्तरों पर अवसर उपलब्ध कराने की सोच को दर्शाता है।

संस्था से लगभग 500 शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारी जुड़े हुए हैं, जिनमें महिलाओं की भी बड़ी भागीदारी है। विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियाँ और विभिन्न क्षेत्रों में उनकी प्रगति विद्याताई के लिए संतोष का महत्वपूर्ण स्रोत हैं।

चुनौतियों के बीच दृढ़ संकल्प से आगे बढ़ने की यात्रा

किसी भी शैक्षणिक संस्था को स्थापित करना और उसका विस्तार करना आसान नहीं होता। विद्याताई गवारे की यात्रा में भी आर्थिक कठिनाइयाँ और कई चुनौतियाँ सामने आईं। हालांकि, उन्होंने दृढ़ संकल्प, सकारात्मक दृष्टिकोण और निरंतर प्रयासों के साथ इन परिस्थितियों का सामना किया।

उनका प्रयास है कि शासन की योजनाओं का लाभ लेकर शिक्षा के विस्तार को गति दी जाए और विद्यार्थियों तक उच्च शिक्षा के अवसर पहुँचाए जाएँ। शिक्षा को अधिकाधिक विद्यार्थियों के लिए सुलभ बनाने की यह सोच उनके कार्य की सामाजिक उपयोगिता को दर्शाती है।

उनकी उपलब्धियों और योगदान को 'प्रभावशाली स्त्री – गौरवगाथा, यशस्वी स्त्रियाँ च्या कर्तृत्वाची' पहल के माध्यम से सम्मानित भी किया गया है। यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उनके प्रयासों की पहचान के रूप में उल्लेखनीय है।

परिवार और सहयोगियों के साथ सामूहिक प्रगति

विद्याताई गवारे अपने कार्य में परिवार, सहकर्मियों और संस्था से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के योगदान को महत्व देती हैं। उनका मानना है कि किसी भी संस्था की प्रगति सामूहिक प्रयासों, सहयोग और साझा उद्देश्य से संभव होती है।

'श्री समर्थ' के माध्यम से शिक्षा का विस्तार करना और विद्यार्थियों के लिए आगे बढ़ने के अवसर तैयार करना उनके कार्य की केंद्रीय भावना है। संस्था से जुड़े शिक्षक, कर्मचारी और परिवार का सहयोग इस यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है।

विद्याताई गवारे की सफलता गाथा शिक्षा, संस्कार, दृढ़ संकल्प और सामाजिक प्रतिबद्धता का सुंदर संगम है। अपनी शैक्षणिक योग्यता और निरंतर सीखने की इच्छा के साथ वे संस्थागत जिम्मेदारियाँ निभा रही हैं और हजारों विद्यार्थियों के भविष्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कार्यरत हैं।

उनकी यात्रा यह संदेश देती है कि व्यक्तिगत सपनों को सामाजिक उद्देश्य से जोड़कर व्यापक परिवर्तन की दिशा में प्रयास किए जा सकते हैं। 'श्री समर्थ' के माध्यम से ज्ञान का प्रकाश अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक पहुँचाने का उनका संकल्प प्रेरणादायी है।

**एक सपना शिक्षा का, हजारों उज्ज्वल भविष्य का** — यही भावना विद्याताई गवारे की यात्रा को विशेष बनाती है।